Rich dad and poor dad

by Robert T. Kiyosaki and Sharon Lechter · Language: HI

Summary by booksummaryai.com — https://booksummaryai.com/country/hi/rich-dad-and-poor-dad

Overview

रॉबर्ट टी. कियोसाकी और शेरोन लेचर द्वारा लिखित "रिच डैड पुअर डैड" एक व्यक्तिगत वित्त पुस्तक है जो पारंपरिक शिक्षा और पैसे के बारे में सोच को चुनौती देती है। यह पुस्तक कियोसाकी के बचपन के अनुभवों के माध्यम से दो अलग-अलग पिताओं की वित्तीय शिक्षाओं की तुलना करती है: उनके अपने "गरीब पिता" (उनके उच्च शिक्षित, सरकारी कर्मचारी जैविक पिता) और उनके "अमीर पिता" (उनके सबसे अच्छे दोस्त के पिता, जिन्होंने हाई स्कूल की पढ़ाई पूरी नहीं की थी लेकिन एक सफल व्यवसायी और निवेशक बन गए)। यह पुस्तक इस बात पर जोर देती है कि कैसे अमीर लोग पैसे के लिए काम नहीं करते, बल्कि पैसा उनके लिए काम करता है।

पुस्तक का मुख्य तर्क वित्तीय साक्षरता के महत्व पर केंद्रित है, जिसे पारंपरिक स्कूल प्रणाली में नहीं सिखाया जाता है। यह पाठकों को संपत्ति और देनदारियों के बीच के अंतर को समझने, अपनी वित्तीय शिक्षा में निवेश करने और पैसे के बारे में सोचने के तरीके को बदलने के लिए प्रोत्साहित करती है। कियोसाकी का तर्क है कि अमीर लोग संपत्ति खरीदते हैं जबकि गरीब और मध्यम वर्ग देनदारियां खरीदते हैं जिन्हें वे संपत्ति समझते हैं। यह पुस्तक नौकरी की सुरक्षा के बजाय वित्तीय स्वतंत्रता प्राप्त करने के लिए एक मानसिकता बदलाव को बढ़ावा देती है, और यह सिखाती है कि कैसे उद्यमिता, निवेश और कर कानूनों की समझ धन निर्माण के लिए महत्वपूर्ण हैं।

Key Takeaways

- संपत्ति वे चीजें हैं जो आपकी जेब में पैसा डालती हैं, जबकि देनदारियां वे हैं जो आपकी जेब से पैसा निकालती हैं; इन दोनों के बीच के अंतर को समझें और संपत्ति जमा करने पर ध्यान दें।
- वित्तीय साक्षरता आवश्यक है; अपनी वित्तीय शिक्षा में निवेश करें और लेखांकन, निवेश और बाजार की समझ विकसित करें।
- अमीर लोग पैसे के लिए काम नहीं करते; वे संपत्ति बनाते हैं जो उनके लिए पैसा कमाती है।
- अपनी नौकरी पर निर्भर रहने के बजाय अपना खुद का व्यवसाय शुरू करें और संपत्ति बनाने पर ध्यान केंद्रित करें।
- कर कानूनों को समझें और जानें कि कैसे निगमों का उपयोग करों को कम करने और धन को संरक्षित करने के लिए किया जा सकता है।
- सीखने के लिए काम करें, पैसे के लिए नहीं; विभिन्न कौशल प्राप्त करें जो आपको वित्तीय स्वतंत्रता प्राप्त करने में मदद करेंगे।
- वित्तीय जोखिमों को स्वीकार करना सीखें और उन्हें बुद्धिमानी से प्रबंधित करें, क्योंकि जोखिम से बचने से अक्सर अवसर छूट जाते हैं।

Chapter Summaries

परिचय: अमीर डैड, गरीब डैड

रॉबर्ट कियोसाकी अपने दो पिताओं के बारे में बताते हैं: उनके अपने उच्च शिक्षित, लेकिन आर्थिक रूप से संघर्षरत "गरीब डैड" और उनके सबसे अच्छे दोस्त के पिता, जो एक कॉलेज ड्रॉपआउट थे लेकिन एक सफल व्यवसायी और "अमीर डैड" बने। यह परिचय बताता है कि कैसे इन दो अलग-अलग दृष्टिकोणों ने उन्हें पैसे और जीवन के बारे में सिखाया, और कैसे अमीर डैड की शिक्षाओं ने उन्हें वित्तीय स्वतंत्रता की ओर अग्रसर किया। यह पुस्तक के मूल विचार को स्थापित करता है कि पारंपरिक शिक्षा प्रणाली वित्तीय बुद्धिमत्ता नहीं सिखाती है और वित्तीय स्वतंत्रता के लिए एक अलग दृष्टिकोण की आवश्यकता है।

अध्याय 1: अमीर डैड, गरीब डैड

यह अध्याय रॉबर्ट के बचपन की शुरुआत को दर्शाता है जब उन्होंने अपने अमीर डैड से पैसे के बारे में सीखना शुरू किया। अमीर डैड ने उन्हें सिखाया कि अमीर लोग पैसे के लिए काम नहीं करते, बल्कि पैसे को अपने लिए काम करवाते हैं। उन्होंने रॉबर्ट और उनके दोस्त माइक को अपने स्टोर में काम करने के लिए कहा, लेकिन बिना वेतन के, ताकि वे पैसे के लिए काम करने के बजाय पैसे को समझने और उसका उपयोग करने के तरीके सीख सकें। यह अध्याय "रैट रेस" की अवधारणा का परिचय देता है और इससे बाहर निकलने की आवश्यकता पर जोर देता है, जो अधिकांश लोगों को वित्तीय रूप से फंसाए रखती है।

अध्याय 2: सबक 1: अमीर लोग पैसे के लिए काम नहीं करते

यह सबक बताता है कि कैसे अमीर लोग अपनी संपत्ति बनाते हैं। अमीर डैड ने रॉबर्ट को सिखाया कि ज़्यादातर लोग अपनी पूरी जिंदगी पैसे के लिए काम करते हैं, लेकिन अमीर लोग संपत्ति (assets) खरीदते हैं जो उनके लिए पैसा कमाती हैं। उन्होंने रॉबर्ट को एक महीने तक बिना वेतन के काम करने के लिए कहा ताकि वह पैसे के डर और लालच को समझ सकें और यह सीख सकें कि इन भावनाओं को कैसे नियंत्रित किया जाए। यह अध्याय इस बात पर जोर देता है कि वित्तीय स्वतंत्रता प्राप्त करने के लिए पैसे को अपने लिए काम करवाना महत्वपूर्ण है, न कि पैसे के लिए काम करना।

अध्याय 3: सबक 2: वित्तीय साक्षरता क्यों सिखाई जाए?

यह अध्याय वित्तीय साक्षरता के महत्व पर प्रकाश डालता है। अमीर डैड ने सिखाया कि स्कूल हमें पढ़ना-लिखना सिखाते हैं, लेकिन पैसे के बारे में नहीं। उन्होंने संपत्ति (assets) और देनदारियों (liabilities) के बीच के अंतर को समझाया। संपत्ति वह है जो आपकी जेब में पैसा डालती है, जबकि देनदारी वह है जो आपकी जेब से पैसा निकालती है। यह अध्याय बताता है कि अमीर लोग संपत्ति खरीदते हैं जबकि गरीब और मध्यम वर्ग देनदारियां खरीदते हैं, यह सोचकर कि वे संपत्ति हैं (जैसे एक बड़ा घर या कार)। वित्तीय बुद्धिमत्ता ही धन निर्माण की कुंजी है।

अध्याय 4: सबक 3: अपने व्यवसाय पर ध्यान दें

यह सबक बताता है कि लोगों को अपनी नौकरी के साथ-साथ अपना खुद का व्यवसाय भी बनाना चाहिए। अमीर डैड ने सिखाया कि आपकी नौकरी आपका व्यवसाय नहीं है, यह केवल आपके व्यवसाय को वित्तपोषित करने का एक साधन है। उन्होंने लोगों को अपनी संपत्ति कॉलम बनाने पर ध्यान केंद्रित करने की सलाह दी, जिसमें रियल एस्टेट, स्टॉक, बॉन्ड और अन्य निवेश शामिल हो सकते हैं। यह अध्याय नौकरी की सुरक्षा पर अत्यधिक निर्भरता के खिलाफ चेतावनी देता है और वित्तीय स्वतंत्रता के लिए अपनी संपत्ति बनाने के महत्व पर जोर देता है, जो निष्क्रिय आय उत्पन्न करती है।

अध्याय 5: सबक 4: करों का इतिहास और निगमों की शक्ति

यह अध्याय करों के इतिहास और निगमों (corporations) के रणनीतिक उपयोग की पड़ताल करता है। अमीर डैड ने समझाया कि कर मूल रूप से अमीरों को दंडित करने के लिए बनाए गए थे, लेकिन अमीरों ने निगमों का उपयोग करके कानूनी रूप से अपने करों को कम करने के तरीके खोज लिए। उन्होंने बताया कि निगम कैसे खर्चों को पहले काटते हैं और फिर करों का भुगतान करते हैं, जबकि कर्मचारी पहले करों का भुगतान करते हैं और फिर खर्च करते हैं। यह अध्याय वित्तीय बुद्धिमत्ता के एक महत्वपूर्ण पहलू के रूप में कर कानूनों को समझने और उनका लाभ उठाने के महत्व पर जोर देता है।

अध्याय 6: सबक 5: अमीर पैसा बनाते हैं

यह सबक रचनात्मकता और जोखिम लेने के महत्व पर जोर देता है। अमीर डैड ने सिखाया कि पैसे की कमी एक बहाना है, और अमीर लोग अवसर देखते हैं जहां दूसरे नहीं देखते। वे समस्याओं को हल करके या अद्वितीय मूल्य प्रदान करके पैसा "बनाते" हैं। यह अध्याय बताता है कि वित्तीय बुद्धिमत्ता केवल ज्ञान नहीं है, बल्कि यह समस्याओं को हल करने और अवसरों का लाभ उठाने की क्षमता भी है। यह वित्तीय जोखिमों को समझने और उन्हें प्रबंधित करने के महत्व पर भी प्रकाश डालता है, जिससे लोग डर के बजाय आत्मविश्वास के साथ निवेश कर सकें।

अध्याय 7: सबक 6: सीखने के लिए काम करें—पैसे के लिए नहीं

यह सबक बताता है कि नौकरी चुनते समय वेतन से अधिक कौशल विकास को प्राथमिकता देनी चाहिए। अमीर डैड ने सिखाया कि विभिन्न क्षेत्रों में कौशल हासिल करना, जैसे बिक्री, विपणन, संचार और बातचीत, वित्तीय सफलता के लिए महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने रॉबर्ट को सलाह दी कि वे ऐसी नौकरी करें जहाँ वे सीख सकें, भले ही वेतन कम हो, क्योंकि ये कौशल उन्हें भविष्य में अपना व्यवसाय बनाने और वित्तीय स्वतंत्रता प्राप्त करने में मदद करेंगे। यह अध्याय विशेषज्ञता के बजाय व्यापक कौशल सेट के महत्व पर जोर देता है, जो व्यक्ति को अधिक बहुमुखी और मूल्यवान बनाता है।

अध्याय 8: बाधाओं पर काबू पाना

यह अध्याय उन पांच मुख्य बाधाओं पर चर्चा करता है जो लोगों को वित्तीय रूप से सफल होने से रोकती हैं: डर, सनक, आलस्य, बुरी आदतें और अहंकार। रॉबर्ट कियोसाकी बताते हैं कि कैसे इन बाधाओं को पहचानना और उन पर काबू पाना वित्तीय स्वतंत्रता की यात्रा के लिए महत्वपूर्ण है। वह वित्तीय जोखिमों को प्रबंधित करने, आलोचना को अनदेखा करने, सक्रिय रहने, अच्छी वित्तीय आदतें विकसित करने और सीखने के लिए विनम्र रहने के लिए व्यावहारिक सलाह प्रदान करते हैं। यह अध्याय मानसिकता और भावनात्मक बुद्धिमत्ता के महत्व पर जोर देता है, जो वित्तीय सफलता के लिए आवश्यक हैं।

अध्याय 9: शुरुआत करना

यह अध्याय वित्तीय स्वतंत्रता की दिशा में पहला कदम उठाने के लिए दस व्यावहारिक सुझाव प्रदान करता है। इनमें अपने दिमाग की शक्ति का उपयोग करना, हर दिन कुछ नया सीखना, सही लोगों को चुनना, पहले खुद को भुगतान करना, अपने सलाहकारों को अच्छी तरह से भुगतान करना, संपत्ति खरीदना, कर लाभों का लाभ उठाना, निवेश बनाना, और उदार होना शामिल है। यह अध्याय पाठकों को कार्रवाई करने और अपनी वित्तीय यात्रा शुरू करने के लिए प्रेरित करता है, यह बताते हुए कि वित्तीय बुद्धिमत्ता एक सतत सीखने की प्रक्रिया है और इसके लिए सक्रिय भागीदारी की आवश्यकता होती है।

निष्कर्ष: अभी भी भ्रमित हैं? यहाँ क्या करना है

निष्कर्ष पुस्तक के मुख्य संदेशों को दोहराता है और पाठकों को वित्तीय शिक्षा को गंभीरता से लेने के लिए प्रोत्साहित करता है। रॉबर्ट कियोसाकी इस बात पर जोर देते हैं कि वित्तीय स्वतंत्रता एक यात्रा है, कोई गंतव्य नहीं, और इसके लिए निरंतर सीखने, अनुकूलन और कार्रवाई की आवश्यकता होती है। वह पाठकों को अपने वित्तीय भविष्य को नियंत्रित करने, अपनी मानसिकता बदलने और अमीर डैड के सिद्धांतों को अपने जीवन में लागू करने के लिए प्रेरित करते हैं। यह अध्याय वित्तीय बुद्धिमत्ता के माध्यम से एक बेहतर भविष्य बनाने के लिए एक अंतिम आह्वान प्रदान करता है, जिससे लोग अपनी वित्तीय नियति के स्वामी बन सकें।

Themes

- वित्तीय साक्षरता
- संपत्ति बनाम देनदारियां

- उद्यमिता
- निवेश
- कर लाभ

Frequently Asked Questions

रिच डैड पुअर डैड किस बारे में है?

रिच डैड पुअर डैड रॉबर्ट कियोसाकी के दो पिताओं की वित्तीय शिक्षाओं की तुलना करती है: उनके उच्च शिक्षित लेकिन आर्थिक रूप से संघर्षरत जैविक पिता ('गरीब पिता') और उनके सबसे अच्छे दोस्त के अमीर, उद्यमी पिता ('अमीर पिता')। यह वित्तीय साक्षरता, संपत्ति और देनदारियों के बीच के अंतर और पैसे के लिए काम करने के बजाय पैसे को अपने लिए काम करने के महत्व पर जोर देती है।

क्या रिच डैड पुअर डैड पढ़ने लायक है?

हाँ, रिच डैड पुअर डैड व्यापक रूप से व्यक्तिगत वित्त पर एक प्रभावशाली पुस्तक मानी जाती है। यह पैसे के बारे में सोचने के पारंपरिक तरीकों को चुनौती देती है और वित्तीय स्वतंत्रता प्राप्त करने के लिए एक अलग दृष्टिकोण प्रदान करती है। यह पाठकों को वित्तीय साक्षरता में निवेश करने, संपत्ति बनाने और उद्यमिता के अवसरों का पता लगाने के लिए प्रेरित करती है। यह विशेष रूप से उन लोगों के लिए मूल्यवान है जो अपनी वित्तीय मानसिकता को बदलना चाहते हैं।

रिच डैड पुअर डैड कैसे समाप्त होती है?

Spoiler: रिच डैड पुअर डैड एक पारंपरिक कथा के साथ समाप्त नहीं होती है, बल्कि यह वित्तीय शिक्षा के महत्व पर अपने मुख्य संदेश को सुदृढ़ करती है। यह कियोसाकी के अमीर पिता द्वारा सिखाए गए छह मुख्य पाठों को सारांशित करती है और पाठकों को अपनी वित्तीय यात्रा शुरू करने के लिए प्रोत्साहित करती है। पुस्तक वित्तीय स्वतंत्रता प्राप्त करने के लिए ज्ञान, कार्रवाई और मानसिकता के निरंतर अनुप्रयोग पर जोर देती है।

रिच डैड पुअर डैड किसे पढ़नी चाहिए?

यह पुस्तक उन सभी के लिए है जो अपनी वित्तीय स्थिति में सुधार करना चाहते हैं, पैसे के बारे में अपनी समझ का विस्तार करना चाहते हैं, या उद्यमिता और निवेश में रुचि रखते हैं। यह विशेष रूप से युवा वयस्कों, छात्रों और उन लोगों के लिए उपयुक्त है जो पारंपरिक करियर पथ से हटकर वित्तीय स्वतंत्रता की तलाश कर रहे हैं।

रिच डैड पुअर डैड को पढ़ने में कितना समय लगता है?

औसतन, रिच डैड पुअर डैड को पढ़ने में लगभग 4 से 6 घंटे लगते हैं। यह पाठक की पढ़ने की गति और सामग्री पर ध्यान केंद्रित करने की क्षमता पर निर्भर करता है। पुस्तक लगभग 200-250 पृष्ठों की है और इसे एक या दो सत्रों में आसानी से पढ़ा जा सकता है।

Best Quotes

“अमीर पैसे के लिए काम नहीं करते।”

अध्याय 1: अमीर डैड, गरीब डैड

यह अमीर डैड का एक प्रमुख सद्धिांत है जो बताते हैं कि अमीर लोग पैसे को अपने लिए काम पर लगाते हैं, न कि खुद पैसे के लिए काम करते हैं। यह वित्तीय स्वतंत्रता की दशिा में एक महत्वपूर्ण सोच है।

"यह मायने नहीं रखता कि आप कितना पैसा कमाते हैं, बल्कि यह मायने रखता है कि आप कितना पैसा बचाते हैं।"

अध्याय 2: वित्तीय साक्षरता क्यों सखिाई जाए?

यह उद्धरण बताता है कि आय से अधकि महत्वपूर्ण धन का प्रबंधन और उसे बनाए रखना है। अमीर डैड इस बात पर जोर देते हैं कि वित्तीय सुरक्षा के लिए बचत और नविेश महत्वपूर्ण हैं।

"एक संपत्ति वह है जो आपकी जेब में पैसा डालती है। एक देनदारी वह है जो आपकी जेब से पैसा नकिालती है।"

अध्याय 2: वित्तीय साक्षरता क्यों सखिाई जाए?

यह अमीर डैड द्वारा दी गई संपत्ति और देनदारी की सरल और मौलकि परभिाषा है। यह वित्तीय साक्षरता का आधार है और पाठकों को वास्तवकि संपत्ति बनाने के लिए प्रोत्साहति करता है।

"अपने खुद के व्यवसाय पर ध्यान दें।"

अध्याय 3: अपने खुद के व्यवसाय पर ध्यान दें

अमीर डैड इस बात पर जोर देते हैं कि लोगों को अपनी मुख्य नौकरी के अलावा अपनी संपत्ति बनाने पर ध्यान देना चाहिए। इसका मतलब है कि ऐसी संपत्ति बनाना जो नष्क्रिय आय उत्पन्न करे।

"हम सभी के पास सबसे शक्तशिाली संपत्ति हमारा दमिाग है।"

अध्याय 4: करों का इतहिास और नगिमों की शक्ति

यह उद्धरण सीखने और वित्तीय शक्षिा के महत्व को उजागर करता है। अमीर डैड सखिाते हैं कि वित्तीय बुद्धमित्ता वकिसति करना सबसे मूल्यवान नविेश है।

"गरीब और मध्यम वर्ग पैसे के लिए काम करते हैं। अमीर के लिए पैसा काम करता है।"

अध्याय 1: अमीर डैड, गरीब डैड

यह पुस्तक का केंद्रीय वषिय है जो दो अलग-अलग मानसकिता और वित्तीय दृष्टकिोण को दर्शाता है। यह वित्तीय स्वतंत्रता प्राप्त करने के लिए पैसे को काम पर लगाने की आवश्यकता पर जोर देता है।

"सबसे पहले खुद को भुगतान करें।"

अध्याय 5: अमीर आवष्कार करते हैं पैसा

यह एक महत्वपूर्ण वित्तीय सद्धिांत है जहां व्यक्ति अपनी आय का एक हस्सिा बचत और नविेश के लिए अलग रखता है, इससे पहले कि वह बलिों का भुगतान करे या अन्य खर्च करे।

Questions & Answers

रचि डैड पुअर डैड" पुस्तक का मुख्य संदेश क्या है?

यह पुस्तक वित्तीय साक्षरता और स्वतंत्रता के महत्व पर जोर देती है। इसका मुख्य संदेश यह है कि अमीर लोग पैसे के लिए काम नहीं करते, बल्कि पैसे को अपने लिए काम पर लगाते हैं। यह संपत्ति और देनदारी के बीच के अंतर को समझने, अपने व्यवसाय पर ध्यान केंद्रित करने और वित्तीय शिक्षा प्राप्त करने की वकालत करती है ताकि 'चूहा दौड़' से बाहर निकला जा सके। यह पारंपरिक शिक्षा प्रणाली की सीमाओं पर भी प्रकाश डालती है।

रचि डैड और पुअर डैड कौन हैं?

पुअर डैड लेखक के जैविक पिता हैं, जो उच्च शिक्षित थे और एक सरकारी कर्मचारी के रूप में अच्छी नौकरी करते थे, लेकिन वित्तीय संघर्षों का सामना करते थे। रिच डैड लेखक के सबसे अच्छे दोस्त के पिता हैं, जिन्होंने आठवीं कक्षा से आगे की पढ़ाई नहीं की थी, लेकिन एक सफल व्यवसायी और निवेशक बनकर बहुत अमीर बन गए। ये दोनों अलग-अलग वित्तीय दर्शन का प्रतिनिधित्व करते हैं।

लेखक 'चूहा दौड़' (Rat Race) शब्द का उपयोग क्यों करते हैं?

लेखक 'चूहा दौड़' शब्द का उपयोग उस चक्र का वर्णन करने के लिए करते हैं जिसमें लोग अपनी नौकरी के लिए काम करते हैं, पैसे कमाते हैं, बिलों का भुगतान करते हैं, और फिर अधिक पैसे कमाने के लिए और अधिक काम करते हैं, लेकिन कभी भी वित्तीय स्वतंत्रता प्राप्त नहीं कर पाते। यह डर (पैसे खोने का) और लालच (अधिक पाने का) द्वारा संचालित एक अंतहीन चक्र है, जिससे लोग अपनी वित्तीय स्थिति में फंसे रहते हैं।

संपत्ति (Asset) और देनदारी (Liability) के बीच क्या अंतर है?

पुस्तक के अनुसार, एक संपत्ति वह है जो आपकी जेब में पैसा डालती है, जैसे किराये की संपत्ति, स्टॉक, बॉन्ड या एक लाभदायक व्यवसाय। इसके विपरीत, एक देनदारी वह है जो आपकी जेब से पैसा निकालती है, जैसे कि आपका घर (यदि यह केवल रहने के लिए है और आय उत्पन्न नहीं करता), कार ऋण, या क्रेडिट कार्ड ऋण। अमीर लोग संपत्ति खरीदते हैं, जबकि गरीब और मध्यम वर्ग देनदारियां खरीदते हैं जिन्हें वे संपत्ति समझते हैं।

वित्तीय साक्षरता का क्या महत्व है?

वित्तीय साक्षरता का अर्थ है पैसे को समझना और यह जानना कि यह कैसे काम करता है। यह आय, व्यय, संपत्ति और देनदारी के बीच के अंतर को समझने की क्षमता है। पुस्तक के अनुसार, वित्तीय साक्षरता व्यक्तियों को सूचित वित्तीय निर्णय लेने, संपत्ति बनाने और 'चूहा दौड़' से बाहर निकलने में मदद करती है। यह पारंपरिक शिक्षा में अक्सर अनदेखा किया जाने वाला एक महत्वपूर्ण कौशल है।

अमीर डैड ने लेखक को सबसे पहले क्या सिखाया?

अमीर डैड ने लेखक और उनके दोस्त माइक को सबसे पहले यह सिखाया कि अमीर लोग पैसे के लिए काम नहीं करते। उन्होंने उन्हें अपने लिए काम करने के लिए पैसे का उपयोग करने का महत्व सिखाया। उन्होंने उन्हें वित्तीय शिक्षा के महत्व को समझने के लिए अपने दिमाग का उपयोग करने और पैसे के बारे में सोचने के तरीके को बदलने के लिए प्रोत्साहित किया, भले ही इसका मतलब शुरुआत में बिना भुगतान के काम करना हो।

लेखक करों और निगमों के बारे में क्या तर्क देते हैं?

लेखक बताते हैं कि कर मूल रूप से गरीबों और मध्यम वर्ग से लिए गए थे, लेकिन अमीर लोगों ने निगमों का उपयोग करके कानूनी रूप से अपने करों को कम करने के तरीके खोज लिए। वे तर्क देते हैं कि निगम अमीर लोगों के लिए सबसे बड़ा कानूनी कर आश्रय हैं। वे वित्तीय शिक्षा के माध्यम से कर कानूनों को समझने और उनका लाभ उठाने की वकालत करते हैं ताकि अधिक धन बनाए रखा जा

सके।

अपने खुद के व्यवसाय पर ध्यान दें" का क्या अर्थ है?

इसका मतलब यह नहीं है कि अपनी नौकरी छोड़ दें, बल्कि अपनी मुख्य नौकरी के अलावा संपत्ति बनाने पर ध्यान केंद्रित करें। लेखक सलाह देते हैं कि लोगों को ऐसी संपत्ति बनानी चाहिए जो निष्क्रिय आय उत्पन्न करे, जैसे रियल एस्टेट, स्टॉक, बॉन्ड या अन्य व्यवसाय। यह आय का एक वैकल्पिक स्रोत बनाता है और वित्तीय स्वतंत्रता की ओर ले जाता है, बजाय केवल अपनी नौकरी पर निर्भर रहने के।

अमीर डैड ने पैसे के डर और लालच को कैसे समझाया?

अमीर डैड ने समझाया कि पैसे खोने का डर और अधिक पैसे की लालच लोगों को 'चूहा दौड़' में फंसाए रखते हैं। डर उन्हें सुरक्षित नौकरी से चिपके रहने के लिए प्रेरित करता है, जबकि लालच उन्हें अपनी आय बढ़ाने के लिए और अधिक काम करने के लिए प्रेरित करता है, जिससे वे कभी भी वित्तीय स्वतंत्रता प्राप्त नहीं कर पाते। वे सिखाते हैं कि इन भावनाओं को नियंत्रित करना और वित्तीय शिक्षा के माध्यम से सूचित निर्णय लेना महत्वपूर्ण है।

पुस्तक के अनुसार, पारंपरिक शिक्षा प्रणाली की क्या सीमाएँ हैं?

पुस्तक तर्क देती है कि पारंपरिक शिक्षा प्रणाली लोगों को अच्छी नौकरी पाने और पैसे के लिए काम करने के लिए तैयार करती है, लेकिन उन्हें वित्तीय साक्षरता या पैसे को अपने लिए काम पर लगाने के तरीके नहीं सिखाती। यह छात्रों को कर्मचारी बनने के लिए प्रशिक्षित करती है, उद्यमी या निवेशक बनने के लिए नहीं। इस कमी के कारण, कई शिक्षित लोग भी वित्तीय संघर्षों का सामना करते हैं।

लेखक "सबसे पहले खुद को भुगतान करें" सिद्धांत की व्याख्या कैसे करते हैं?

यह सिद्धांत बताता है कि अपनी आय प्राप्त होने पर, सबसे पहले अपनी बचत और निवेश के लिए एक निश्चित राशि अलग रखनी चाहिए, इससे पहले कि आप बिलों या अन्य खर्चों का भुगतान करें। लेखक तर्क देते हैं कि यह वित्तीय अनुशासन विकसित करता है और आपको संपत्ति बनाने के लिए मजबूर करता है। यह आपको अपनी वित्तीय प्राथमिकताओं को सही ढंग से निर्धारित करने में मदद करता है।

अमीर डैड के अनुसार, पैसे के बारे में सबसे महत्वपूर्ण सबक क्या है?

अमीर डैड के अनुसार, पैसे के बारे में सबसे महत्वपूर्ण सबक यह है कि पैसे को अपने लिए काम पर लगाना सीखें, न कि पैसे के लिए काम करना। इसका मतलब है वित्तीय शिक्षा प्राप्त करना, संपत्ति और देनदारी के बीच के अंतर को समझना, और ऐसी संपत्ति बनाना जो निष्क्रिय आय उत्पन्न करे। यह मानसिकता में बदलाव है जो वित्तीय स्वतंत्रता की ओर ले जाता है।

पुस्तक पाठकों को क्या करने के लिए प्रोत्साहित करती है?

पुस्तक पाठकों को वित्तीय साक्षरता प्राप्त करने, अपनी वित्तीय शिक्षा में निवेश करने, संपत्ति बनाने, अपने खुद के व्यवसाय पर ध्यान केंद्रित करने, कर कानूनों को समझने और पैसे के डर और लालच को दूर करने के लिए प्रोत्साहित करती है। यह उन्हें पारंपरिक सोच से हटकर सोचने और वित्तीय स्वतंत्रता प्राप्त करने के लिए सक्रिय कदम उठाने के लिए प्रेरित करती है।

(Spoiler:) पुस्तक के अंत में लेखक क्या निष्कर्ष निकालते हैं?

Spoiler: पुस्तक के अंत में, लेखक इस बात पर जोर देते हैं कि वित्तीय शिक्षा एक आजीवन प्रक्रिया है और यह कभी खत्म नहीं होती। वे पाठकों को सक्रिय रूप से सीखने, जोखिम लेने और अपनी वित्तीय बुद्धिमत्ता को लगातार विकसित करने के लिए प्रोत्साहित करते हैं। वे निष्कर्ष निकालते हैं कि वित्तीय स्वतंत्रता एक लक्ष्य है जिसे कोई भी प्राप्त कर सकता है यदि वे सही मानसिकता और ज्ञान के साथ काम करें।

अमीर डैड ने बच्चों को पैसे के बारे में कैसे सिखाया?

अमीर डैड ने बच्चों को अनुभव के माध्यम से सिखाया। उन्होंने उन्हें अपने स्टोर में बिना भुगतान के काम करने के लिए कहा ताकि वे पैसे के लिए काम करने के बजाय पैसे को अपने लिए काम पर लगाने के महत्व को समझ सकें। उन्होंने उन्हें पैसे के बारे में सोचने और समस्याओं को हल करने के लिए प्रोत्साहित किया, जिससे उन्हें वित्तीय अवधारणाओं को व्यावहारिक रूप से समझने में मदद मिली।